Vice-Chancellor.

Benares Hindu University.

सितंबर २३, १९४९.

प्रिय मुनुआ, आशीष.

मुझे तुम्हारा पत्र बनारस वापिस आनेके समय मिला. अब मुझे यहाँ एक ड्राफ्ट बनाकर भेज दो. मैं वैसाही पत्र लिखकर सरदार बलदेव सिंह को भेज दूंगा. तुम्हारे पत्रसे मुझे बहुत स्पष्ट न हुआ कि क्या और किस तरह लिखना चाहिए.

जमीन के लिये तुमने लिखा सो भी सुचित्तीसे लिखना. मैं उसके लिये भी अवश्य प्रयत्न करूंगा.

सस्नेह, तुम्हारा,

गोविन्द.

पंडित पद्मकान्त मालवीय,
लूकर गंज,
एलाहाबाद.

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA
राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत National Archives of India